

71

:सं०:

हे. नारायण. जगत पति तुम. पूजा मेरी स्वीकार कर
इयामवर्णा... श्री लक्ष्मी रमणा... मुझ दीन पर उपकार-
कर

प्रथम गिरिजा लाल बैठे हे. नारायण

संग वीणा वादिनी

मध्य सोहे कमल आसन

जगत जीवन तारणी

आज हरि कमलापति :::::

आज हरि कमलापति

बैठे पीताम्बर धार कर

हे. नारायण

मेरे केशव. मेरे माधव.

अनगिनत तेरे नाम हैं

पल में जीवन देने वाले.

देखे तेरे काम हैं

झोड़ के बैकुण्ठ धाओ. :::::

झोड़ के बैकुण्ठ धाओ

फक्कड़ों के द्वार पर

हे. नारायण

हे गरुड जी साथ लाना
 हाथ जोड़े हम खड़े
 भीख मांगी है दया की
 आँखों से आँसू झड़े
 हे - महामाया के स्वामी SSSSS
 हे - महामाया के स्वामी
 कष्ट से उद्धार कर

हे नारायण - - - - -

ज्ञान की ज्योति जलाई -
 सत्य हिय में रो रहा
 ओ "श्री बाबा श्री" तेरी धरा पर -
 धर्म अंधा हो रहा
 धर्म रक्षक - पतित पावन SSSSS
 धर्म रक्षक - पतित पावन
 भक्ति रोई - हार कर

हे नारायण - - - - -